HARYANA STATE S.A.S. EXAMINATION PART-I

PRECIS AND DRAFTING (English & Hindi) February 1992

(Without the aid of books)

Time allowed: 3 Hours Max. Marks:100

Q. 1 Prepare a draft letter from the Chief Secretary to Govt. Haryana to all the District Magistrates in the State directing them to take steps to check terrorism in the State. **(20 Marks)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

Q. 2 Frame sentences using the following phrases:

i. In favour of
ii. To send for
iii. by fits and starts
iv. Above board
v. To bank upon. **(5 marks)**

Q. 3 Report the following in indirect speech:

i. He said to the servant, "Please shut the door."
ii. Ramesh said to him, "Where were you last night?"
iii. He said to her, "Are you leaving home with me?"
iv. She said to me, "Are you working hard these days?"
v. He said, "Are the men ready." **(5 marks)**

Q. 4 Translate the following into Hindi:

1.	Reference	2.	Paper Under Consideration
3.	Document	4.	Chief Fire Officer
5.	Qualification	6.	Secrecy
7.	Recruitment	8.	Starred Question
9.	Annual	10.	Demi Official
11.	Countersign	12.	Expunge
13.	Service Book	14.	Doubtful

15. Representation
16. Competent
17. Vocational
18. Effort
19. Confidential Report
20. Reminder

Q. 5 मुख्य प्रशासक हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से सभी सम्पदा अधिकारियों को लिखे जाने वाले पत्र का प्रारूप प्रस्तुत करें जिसमें रजत जयन्ती वर्ष में शहरों को स्वच्छ तथा सुन्दर बनाने का आग्रह किया गया हो। (200 शब्दों में) **(20 अंक)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

Q. 6 निम्नलिखित परिच्छेद का सारांश बनाइए जो कि मूल का एक तिहाई भाग हो तथा उसे उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए।

भारत जैसे विशाल देश में पंचायतों का महत्व असंदिग्ध है। प्रजातन्त्र राज्य में तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। इतने बड़े प्रजातान्त्रिक देश का प्रशासन केवल केन्द्र द्वारा सम्पन्न होना कठिन है। यदि ऐसा है तो फिर चारों ओर भ्रष्टाचारों का प्रसार हो जायेगा। इस प्रकार का प्रशासन उत्तम नहीं समझा जाता। इसी कारण हमारी सरकार ने पंचायती राज के विकास का रास्ता अपनाया जिसके द्वारा जनता को स्वशासन एवं राजनीतिक शिक्षा प्राप्त हो सके। पंचायतों के माध्यम से बड़ी सुगमता पूर्वक जनता अपने कष्टों एवं विवादों आदि से छुटकारा पा लेती है। उन्हें यह अधिकार होता है कि वे अपनी इच्छानुसार अपना विकास प्रबन्ध करें। प्रजातन्त्र में प्रजा में राजनीतिक चेतना का होना आवश्यक है। इस चेतना का विकास पंचायतों के माध्यम से सुगमता पूर्वक होता है। बाहर से आया हुआ व्यक्ति स्थानीय समस्याओं को सुलझाने में सक्षम नहीं होता क्योंकि इन समस्याओं की उसे पूर्ण जानकारी नहीं होती। ग्राम पंचायत अपने पूर्ण जानकारी रखने के कारण उन्हें आसानी से सुलझा लेती है। गरीबी, डकैती, और हत्या आदि गांव की प्रधान समस्यायें हैं। इसके अतिरिक्त आवास की असुविधा, पीने के पानी की कमी, सफाई आदि की समस्यायें भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। ग्राम पंचायत ही इन समस्याओं को सुलझाने का सुगम साधन है। पंचायतों के द्वारा करों की वसूली आदि में भी राज्यों को सुविधा प्राप्त होती है। गांव का अनपढ़ व्यक्ति भी यह अनुभव करने लगा है कि राज्य कार्य में उसका सहयोग होना चाहिए। इस इच्छा की पूर्ति पंचायतों के माध्यम से ही हो सकती है।

Hem Sharma Classes: 9991500264